भोला खाते भंग का गोला | By Mridul Ghosh

कांवड़ लेके कोई चला जो बैजनाथ है धाम
रामेश्वर भी जाते भक्तों कहते जय श्री राम
डमरू वाले बाबा मेरे औघड़ दानी है
विष पीते अमृत का सबको देते पानी है
हे भोला खाते भंग का गोला अ र र र र
तांडव देख के सबको लगता ड र र र र

कालो के भी काल हैं कहते महाकाल हैं
देवो और दानव को भी देते ये वरदान है
डम डम डमरू कैलाशा से खूब बजाते हैं
भक्तों को दर्शन दुष्टो को खूब नचाते हैं
विष का प्याला पी गए भोला अ र र र र
अरे डाल गले में सर्प की माला अ र र र र

घूम घूम के मस्ती में शिव की कथा सुनाते हैं
साधु बैरागी होंठों से बम बम भोले गाते हैं
कावड़ लेके चले कावड़िया छोड़ के सारे काम
कांधो पर गंगा जल लेके चले हैं शिव के धाम
बम बम के वो नाद से झूमे अ र र र र
ये धरती और आकाश भी गूंजे अ र र र र
कांवड़ लेके कोई चला जो .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-mridul-ghosh/